J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 21.01.2020

PUNJAB KESARI

'3डी प्रिंटिंग तकनीक से रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिलता है'

3डी प्रिंटिंग एंड डिजाइन पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

फरीदाबाद, 20 जनवरी (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद जल्द ही 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी पर एक उन्नत प्रयोगशाला विकसित करेगा, जिससे विद्यार्थियों को 3डी मॉडलिंग और 3डी प्रिंटिंग के अनुप्रयोगों को सीखने का अनुभव मिल सकेगी।

पांच दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन के दौरान कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

यह जानकारी कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (अटल) अकादमी के सहयोग से मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 3डी प्रिंटिंग एंड डिजाइन पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए दी। इस अवसर पर आईआईटी दिल्ली से प्रो पी.एम. पांडे मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता रहे। बोनी पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक व वाईएमसीए एल्युमनी राज भाटिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सत्र में विभिन्न विभागों के डीन और विभागाध्यक्षों ने भी भाग लिया। कुलपति ने कहा कि आजकल 3डी प्रिंटर का उपयोग चिकित्सा से लेकर उच्च श्रेणी के इंजीनियरिंग उद्योगों सहित कई क्षेत्रों में किया जा रहा है। इसलिए, यह प्रौद्योगिकी न केवल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के साथ-साथ दूसरे विषयों के विद्यार्थियों के लिए भी लाभकारी है। उन्होंने कहा कि 3डी प्रिंटिंग तकनीक की मदद से विद्यार्थी अपने अभिनव कल्पनाओं को अभ्यास के माध्यम से डिजाइन में बदल सकते है, जिससे रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने 3डी प्रिंटिंग पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की तथा विद्यार्थियों से 3डी प्रिंटिंग के औद्योगिक और वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों को सीखने के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में प्रो. पी.एम. पांडे ने विभिन्न क्षेत्रों में 3डी प्रिंटिंग की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि विद्यार्थी अपनी अभिनव कल्पनाओं को सीमित न रखें बल्कि वास्तविकता में बदलने के लिए प्रयास करें। राज भाटिया ने प्रतिभागियों को उद्योग में 3डी प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में बताया और कहा कि चूंकि तकनीकी विकास तेजी से हो रहा है, इसलिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को मैकेनिकल इंजीनियरिंग तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। इससे पहले, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. तिलक राज ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम पर एक संक्षिप्त परिचय दिया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. संजीव कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। सत्र का समन्वयन डॉ. राजीव साहा ने भी किया।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Tue, 21 January 2020
https://epaper.punjabkesari.in/c/48194930

NEWS CLIPPING: 21.01.2020

NAVBHARAT TIMES

3डी प्रिंटिंग टेक्नॉलजी पर वर्कशॉप

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी के मकैनिकल इंजीनियरिंग विभाग की तरफ से एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग अकादमी के सहयोग से 3डी प्रिंटिंग एंड डिजाइन पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को इस कार्यशाला का शुभारंभ किया गया, जिसमें आईटीआई दिल्ली के प्रफेसर पीएम पांडे मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम के दौरान बोनी पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधन निदेशक राज भाटिया विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत के मौके पर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि यूनिवर्सिटी में जल्द ही 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी पर एक लैब विकसित की जाएगी, जिसमें छात्र 3डी मॉडलिंग व 3डी प्रिंटिंग के बारे में सीख सकेंगे। इस मौके पर मकैनिकल इंजीनियरिंग के विभागध्यक्ष प्रफेसर तिलक राज, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. राजीव साहा आदि मौजूद थे।

NAVBHARAT TIMES

शोधपत्र लेखन पर कार्यशाला

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में पंडित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय की तरफ से शोध पत्र लेखन और ई संसाधनों के प्रभावी उपयोग को लेकर 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी के डिजिटल इंडिया प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला का सोमवार को समापन हुआ। कार्यशाला के दौरान मैक्ग्रा हिल एजुकेशन व पियर्सन एजुकेशन इंडिया के प्रतिनिधियों ने प्रतिभागियों को ई बुक्स की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला का आयोजन आइब्रेरियन डॉ. पीएन वाजपेयी व डिजिटल इंडिया प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी डॉ. नीलम दूहन की देखरेख में किया गया।

NEWS CLIPPING: 21.01.2020

HINDUSTAN

वाईएमसीए में 3-डी प्रिंटिंग प्रयोगशाला जल्द बनेगी

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी पर एक प्रयोगशाला विकसित की जाएगी। इसमें विद्यार्थियों को 3डी मॉडलिंग और 3डी प्रिंटिंग के अनुप्रयोगों को सीखने का अनुभव मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने ये जानकारी सोमवार को मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से शुरू हुई 3डी प्रिंटिंग एंड डिजाइन पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला के मौके पर दी।

कार्यशाला का आयोजन एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (अटल) अकादमी के सहयोग से किया जा रहा है। कुलपति ने कहा कि आजकल 3डी प्रिंटर का उपयोग चिकित्सा से लेकर उच्च श्रेणी के इंजीनियरिंग उद्योगों सहित कई क्षेत्रों में किया जा रहा है। इसलिए ये प्रौद्योगिकी केवल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए नहीं बल्कि दूसरे विषयों के छात्रों के लिए भी जरूरी है। 3डी प्रिंटिंग तकनीक की मदद से छात्र अपनी कल्पनाओं को अभ्यास के माध्यम से डिजाइन में बदल सकेंगे।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता पहुंचे आईआईटी दिल्ली से प्रो. पीएम पांडे ने विभिन्न क्षेत्रों में 3डी प्रिंटिंग की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि रहे बोनी पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राज भाटिया ने उद्योगों में 3डी प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी के उपयोग की जानकारी दी।

NEWS CLIPPING: 21.01.2020

DAINIK BHASKAR

अपनी अभिनव कल्पनाओं को वास्तविकता में बदलने का प्रयास करें स्टूडेंट्स : प्रो. पांडे

D.B. 21-01-20

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में 3डी प्रिंटिंग एंड डिजाइन पर पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जल्द ही 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी पर अत्याधुनिक प्रयोगशाला विकसित करेगा, जिससे स्टूडेंट को 3डी मॉडलिंग और 3डी प्रिंटिंग के अनुप्रयोगों को सीखने का अनुभव मिल सके। यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (अटल) अकादमी के सहयोग से मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से 3डी प्रिंटिंग एंड डिजाइन पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में दी।

इस दौरान आईआईटी दिल्ली के प्रो. पीएम पांडे मुख्य वक्ता थे। उद्यमी राज भाटिया विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान कुलपति ने कहा आजकल 3डी प्रिंटर का उपयोग चिकित्सा

फरीदाबाद। जेसी बोस यूनिवर्सिटी में कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

से लेकर उच्च श्रेणी के इंजीनियरिंग उद्योगों सहित कई क्षेत्रों में हो रहा है। इसलिए यह प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग के साथ-साथ दूसरे विषयों के स्टूडेंट के लिए भी लाभकारी है। उन्होंने कहा कि 3डी प्रिंटिंग तकनीक की मदद से विद्यार्थी अपने अभिनव कल्पनाओं को अभ्यास के माध्यम से डिजाइन में बदल सकते है, जिससे रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने विद्यार्थियों से 3डी प्रिंटिंग के औद्योगिक और वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों को सीखने के लिए प्रेरित किया। प्रो. पीएम पांडे ने विभिन्न क्षेत्रों में 3डी प्रिंटिंग की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्टूडेंट अपनी अभिनव कल्पनाओं को सीमित न रखें बल्कि वास्तविकता में बदलने के लिए प्रयास करें। राज भाटिया ने प्रतिभागियों को उद्योग में 3डी प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में बताते हुए कहा कि चूंकि तकनीकी विकास तेजी से हो रहा है। इसलिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को मैकेनिकल इंजीनियरिंग तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। बल्कि अंतः विषय क्षेत्र की नई अग्रिम तकनीकों को भी सीखना चाहिए।

NEWS CLIPPING: 21.01.2020

PUNJAB KESARI.COM

3डी प्रिंटिंग एंड डिजाइन कार्यशाला का आयोजन

फरीदाबाद, (पंजाब केसरी): जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद जल्द ही 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी पर एक उन्नत प्रयोगशाला विकसित करेगा, जिससे विद्यार्थियों को 3डी मॉडलिंग और 3डी प्रिंटिंग के अनुप्रयोगों को सीखने का अनुभव मिल सकेगी। यह जानकारी कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (अटल) अकादमी के सहयोग से मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 3डी प्रिंटिंग एंड डिजाइन पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए दी। इस अवसर पर आईआईटी दिल्ली से प्रो पी.एम. पांडे मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता रहे। बोनी पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक व वाईएमसीए एल्युमनी राज भाटिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सत्र में विभिन्न विभागों के डीन और विभागाध्यक्षों ने भी भाग लिया। कुलपति ने कहा कि आजकल 3डी प्रिंटर का उपयोग चिकित्सा से लेकर उच्च श्रेणी के इंजीनियरिंग उद्योगों सहित कई क्षेत्रों में किया जा रहा है। इसलिए, यह प्रौद्योगिकी न केवल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के साथ-साथ दूसरे विषयों के विद्यार्थियों के लिए भी लाभकारी है। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. संजीव कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। सत्र का समन्वयन डॉ. राजीव साहा ने भी किया।